



बतख और चूजा



अंडे में से बतख का बच्चा निकला।

लो, मैं आ गया—
बतख का बच्चा बोला।

एक और अंडे में से मुर्गी का
चूजा निकला। मैं भी आ गया—
चूजा बोला।



मैं घूमने जा रहा हूँ—
बतख का बच्चा बोला।

मैं भी घूमने चलूँगा—चूजा बोला।



मैं गड्ढा खोद रहा हूँ—
बतख का बच्चा बोला।
मैं भी गड्ढा खोदूँगा—चूजा बोला।



मुझे एक केंचुआ मिला—
बतख का बच्चा बोला।
मुझे भी केंचुआ मिला—चूजा बोला।





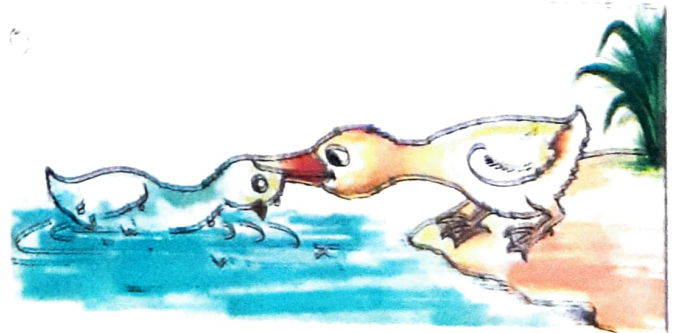
मैं तैरना चाहता हूँ—
बतख का बच्चा बोला।
मैं भी तैरूँगा— चूड़ा बोला।

देखो मैं तैर रहा हूँ—
बतख का बच्चा बोला।
देखो, मैं भी— चूड़ा बोला।



बचाओ...अचानक चूड़ा चिल्लाया।

बतख के बच्चे ने डूबते चूड़े
को पानी से बाहर निकाला।



अब बोलो— बतख का बच्चा
बोला।

क्या बोलूँ— चूड़ा बोला ...

सोचो और बताओ—
आगे क्या
हुआ होगा?

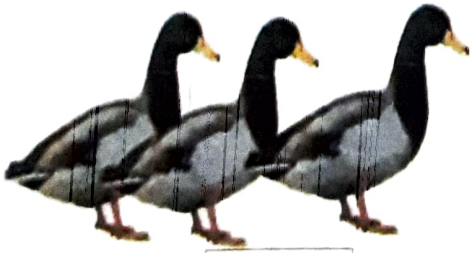


● कहानी में आगे क्या-क्या हुआ होगा इस पर चर्चा करें। बच्चों से जलस्रोतों, पानी की उपयोगिता, एवं उनकी स्वच्छता के बारे में बातचीत करें। जल के सीमित उपयोग पर बल दें।



बताओ—

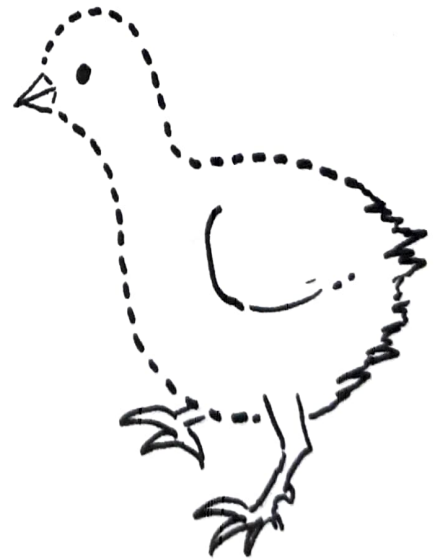
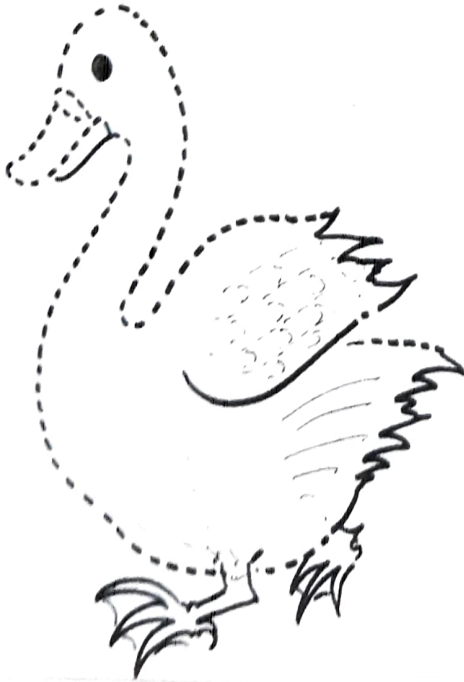
1. नकल करना चूजे पर कब भारी पड़ा?
2. चूजा पानी में क्यों डूबने लगा?
3. बतख के बच्चे ने चूजे की जान कैसी बचाई ?
4. गिनो और लिखो —



3



5. बिंदुओं को मिलाकर रंग भरो —



मात्रायुक्त शब्द बोलकर लिखने का अभ्यास भी कराएँ। 'पक्षी हमारी और हम पक्षियों की किस प्रकार मदद कर सकते हैं'— इस विषय पर बच्चों से चर्चा करें।